मृत्यु का ऐसा पूजन ?

दीपक : सर, आज हम लोगों को ताजमहल के बारे में बताइए |

मोदीजी : तुम्हें मालूम है, ताजमहल किसने बनवाया ?

जॉन : शाहजहाँ ने |

मोदीजी : एकदम सही | शाहजहाँ ने सन १६३२ में अपनी बेगम मुमताज महल की याद में ताजमहल बनवाया था |

सुरेश : यह दुनिया के ऐतिहासिक स्मारकों में से एक है न ?

मोदीजी : बिलकुल | इसकी खूबसूरती देखने के लिए सारी दुनिया के टूरिस्ट भारत आते हैं | शाहजहाँ ने असंख्य कारीगरों से रात-दिन काम करवा के ताजमहल बनवाया था |

हिसा : ऐसा ही स्मारक भारत में और कहीं बनवाया गया सर ?

मोदीजी : नहीं, शाहजहाँ ने ताजमहल का निर्माण पूरा हो जाने के बाद कारीगरों के हाथ कटवा दिये थे |

मारिया : हाथ कटवा दिये थे ? क्यों ? ऐसी निर्दयता ?

मोदीजी : शाहजहाँ चाहते थे कि दुनिया में ताजमहल के टक्कर का दूसरा महल कोई और न बनवाये |

जॉनसन : कब्र में उनकी बेगम ही नहीं दफनायी गयी हैं , बल्कि अनेक भावी कारीगरों के हाथ और साथ ही भबिष्य दफनाये गये हैं |

मोदीजी : कवि पंतजी की कविता की एक पंक्ति याद आ रही है |

सब विद्यार्थी : सुनाइए न सर |

मोदीजी : `हाय, मृत्यु का ऐसा अमर अपार्थिव पूजन`

1- Fiillerdeki ettirgen yapı kalıbını öğrenmek ve metin içerisindeki örnekleri analiz etmek.